Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Panch Pratikraman

Folder No.	003649
Granth Name	Panch Pratikraman
Author	Pundit Sukhlalji
Publisher	Atmanand Jain Pustak Pracharak Mandal Agra
Edition	1
Year	1921
Pages	526

पञ्च प्रतिक्रमण

फोल्डर नं.	००३६४९
ग्रन्थ	पञ्च प्रतिक्रमण
लेखक	पं. सुखलालजी
प्रकाशक	आत्मानन्द जैन पुस्तक प्रचारक मण्डल, आगरा
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९२१
पृष्ठ	५२६

मुख्य टाइटल
वक्तव्य
प्रमाण रूप से आये हुए ग्रन्थों के नाम
जीव और पञ्चपरमेष्ठी का स्वरूप
विषयानुक्रमणिका
प्रस्तावना
नमस्कार सूत्र ---------- १
पंचिंदिय सूत्र ---------- २
खमासमण सूत्र ---------- ४
सुगुरु को सुख-शान्ति-पृच्छा ---------- ५
इरियावहियं सूत्र ---------- ५
तस्स उत्तरी सूत्र ---------- ८
अन्नत्थ ऊसिएणं सूत्र ---------- १०
लोगस्स सूत्र ---------- १२
सामायिक सूत्र ---------- १८
सामायिक पारने का सूत्र (सामाइयवयजुत्तो) ---------- १९
जगचिंतामणि सूत्र ---------- २१
जंकिंचि सूत्र ---------- २८
नमुत्थुणं सूत्र ---------- २८
जावंति चेइआइं सूत्र ---------- ३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जावंत केवि साहू ---------- ३४
परमेष्ठि नमस्कार ---------- ३५
उवसग्गहरं स्तोत्र ---------- ३५
जय वीयराय सूत्र ---------- ३९
अरिहंत चेइयाणं सूत्र ---------- ४२
कल्लाणकंदं स्तुति ---------- ४३
संसारदावानल स्तुति ---------- ४७
पुक्खर-वर-दीवड्ढे सूत्र ---------- ५२
सिद्धाणं बुद्धाणं सूत्र ---------- ५६
वेयावच्चगराणं सूत्र---------- ६०
भगवान् आ को वन्दन ---------- ६१
देवसिय पडिक्कमणे ठाउं ---------- ६१
इच्छामि ठाइउं सूत्र ---------- ६२
आचार की गाथाएँ ---------- ६४
सुगुरु वन्दन सूत्र ---------- ७३
देवसिअं आलोउं सूत्र ---------- ७९
सात लाख ---------- ८०
अठारह पापस्थान ---------- ८०
सव्वस्सवि ---------- ८१
वंदित्तु सूत्र ---------- ८१
अब्भुट्ठियो सूत्र ---------- १२६
आयरिअ उवज्झाए सूत्र ---------- १२८
नमोऽस्तु वर्द्धमानाय ---------- १३०
विशाललोचन ---------- १३२
श्रुतदेवता की स्तुति---------- १३४
क्षेत्रदेवता की स्तुति ---------- १३५
कमलदल स्तुति ---------- १३६
अड्ढाइज्जेसु सूत्र ---------- १३७
वरकनक सूत्र ---------- १३८
लघुशान्ति स्तव ---------- १३९
चउक्कसाय सूत्र ---------- १४९
भरहेसर की सज्झाय ---------- १५१
मन्नह जिणाणं सज्झआय---------- १६६
तीर्थ वन्दन ---------- १६९
पोसह पच्चक्खाण सूत्र ---------- १७२
पच्चक्खाण सूत्र---------- १७५
संथारा पोरिसी ---------- १८८
स्नातस्या की स्तुति ---------- १९४
भुवनदेवता की स्तुति ---------- २२९
क्षेत्रदेवता की स्तुति ---------- २२९
सकलार्हत् स्तोत्र ---------- २३०
अजित-शान्ति स्तवन ---------- २५०
बृहत् शान्ति ---------- २८७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

संतिकर स्तवन ---------- २९६
पाक्षिक अतिचार ---------- ३०३
परिशिष्ट ---------- १

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org